शीर्षक सूची

पुराप्रवाह (क्रमांक 1–3)

विंध्यवासिनी*

अभिलेख कलाः ऐतिहासिक स्रोत (मूर्तिकला के विशेष परिप्रेक्ष्य में) – **अरविन्द कुमार**. 2, 2017, पृ० 184–191.

अयोध्या उत्खननः पुनरावलोकन – **के० एन० दीक्षित**. 2, 2017, पृ० 76–90.

आलमगीरपुर (जिला मेरठ) का नवीन उत्खनन: कतिपय आयाम – **उर्वशी सिंह एवं रवीन्द्र नाथ सिंह**. 3, 2018, पृ० 42–52.

अशोक की धम्म नीतिः एक सिंहावलोकन – **अरुण केसरवानी एवं बबिता.** 1, 2016, पृ० 221–230.

अहाड़ संस्कृति के पुरास्थलों से प्राप्त प्राणि–अवशेषों का अवलोकन – **प्रमोद जोगलेकर**. 2, 2017, पृ० 121–130.

उज्जयिनी की प्राचीन मुद्राओं में बौद्ध प्रतीक – **रामकुमार अहिरवार**. 1, 2016, पृ० 266–268.

उत्तरी कृष्ण मार्जित मृद्भांडकालीन विंध्य गांगेय क्षेत्र का प्राणिवैज्ञानिक विश्लेषण – **प्रमोद जोगलेकर**. 1, 2016, पृ० 118–123.

कपिलवस्तु उत्खनन (2012–13) तथा नूतन तिथि निर्धारण – **बुद्धरश्मि मणि**. 1, 2016, पृ० 114–117.

कला–इतिहास में बिहार की हरिहर मूर्तियाँ – **उमेश कुमार सिंह**. 2, 2017, पृ० 306–311.

कुणाल उत्खनन (2016–2017) – **बुद्ध रश्मि मणि**. 2, 2017, पृ० 235–241.

कृष्ण–लोहित मृद्भांड परंपराः एक अवलोकन – **सुधा कुमारी एवं विनय कुमार**. 3, 2018, पृ० 198–205.

कांतली नदी (राजस्थान) परिक्षेत्र का पुरातात्त्विक अन्वेषण – **सुदर्शन चक्रधारी, डी० पी० सिंह, सुनील कुमार सिंह एवं आफताब आलम**. 3, 2018, पृ० 73–82.

* भारतीय पुरातत्त्व परिषद्, नई दिल्ली

गणेश्वर का उत्खनन 2013ः मृदभांडों के विशेष संदर्भ में – **सुदर्शन चक्रधारी एवं रवीन्द्र नाथ सिंह**. 2, 2017, पृ० 251–255.

ग़दर – **ओम प्रकाश पांडेय**. 3, 2018, पृ० 232–234.

गुप्तकाल में उद्योग धंधों का विकास – **अंकित अग्रवाल**. 2, 2017, पृ० 264–273.

गुफा स्तूप में संरचना–संबंधी परिवर्तनों का रेखांकन तथा उनके विकास–क्रम के विविध चरण – **पूनम प्रसाद**. 3, 2018, पृ० 128–141.

गोंडा जिले के नवीन सर्वेक्षित पुरातात्त्विक स्थल – **पुष्पलता सिंह, अनूप कुमार एवं दीपक कुमार शुक्ला**. 2, 2017, पृ० 131–138.

घुरहुपुर की पुरातात्त्विक विरासत – **सुनील कुमार दुबे एवं रवीन्द्र नाथ सिंह**. 1, 2016, पृ० 61–69.

जनपद भदोही उत्तर प्रदेश की प्राचीन पात्र परंपराओं का अध्ययन – **रवि शंकर**. 3, 2018, पृ० 53–72.

जैन परंपरा और कला में सारस्वत शक्ति की प्रतीक सरस्वती – **मारुति नंदन प्रसाद तिवारी एवं शांति स्वरूप सिन्हा**. 3, 2018, पृ० 18–26.

झारखंडः छउ नृत्य – **साधना द्विवेदी**. 2, 2017, पृ० 343–345.

तक्षशिला में कुषाण सम्राट कनिष्क का सपत्नीक अंकन – **बुद्धरश्मि मणि**. 3, 2018, पृ० 224–227.

ताम्रपाषाण कालीन मृद्भांड परंपराएँ–एक अध्ययन – **दीपक कुमार राय**. 3, 2018, पृ० 107–117.

तीर्थंकर नेमिः एक अन्वेषण – **बृजेश रावत**. 1, 2016, पृ० 155–163.

तोमर राजवंश का इतिहासः अभिलेखीय साक्ष्य – **अरविन्द कुमार सिंह एवं नवनीत कुमार जैन**. 1, 2016, पृ० 231– 246.

दमोह जिले की सर्वेक्षित गणेश प्रतिमाएँ – **उमेश चन्द्र पांडेय एवं सुनील कुमार सिंह**. 3, 2018, पृ० 191–197.

नव–अन्वेषित पुरास्थल : गिरियाँ, संत रविदास, उत्तर प्रदेश – **अशोक कुमार सिंह एवं रवि शंकर सिंह**. 2, 2017, पृ० 228–234.

नवकर्मिक कला – **अर्पिता चटर्जी**. 1, 2016, पृ० 177–181.

निजामाबाद की कृष्ण लेपित मृद्भांड परंपरा का अध्ययनः एक नृतात्विक विश्लेषण – **विभा त्रिपाठी एवं पारुल सिंह**. 3, 2018, पृ० 220–223.

नौगढ़ क्षेत्र एवं समीपवर्ती पुरास्थलों का पुरातात्त्विक अध्ययनः सेमर साधोपुर के विशेष संदर्भ में – **बृज मोहन, विकास कुमार सिंह एवं रवीन्द्र नाथ सिंह**. 3, 2018, पृ० 83–90.

पक्काकोट (बुद्धकालीन मातुला) से उपलब्ध नवीन विहारः एक विवेचनपरक अध्ययन – **सीताराम दुबे**. 2, 2017, पृ० 170–176.

पश्चिमी चंपारण जिले (बिहार) का पुरातात्त्विक सर्वेक्षण – **मनोज कुमार**. 1, 2016, पृ० 212–220.

पिपरी का सद्यः उद्घाटित मंदिर – **प्रवीण कुमार मिश्र**. 1, 2016, पृ० 260–262.

पोहरी के आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एवं जल मंदिर के अभिलेख – **अरविन्द कुमार सिंह एवं नवनीत कुमार जैन**. 2, 2017, पृ० 145–157.

प्रकार–तकनीकी एवं कार्यात्मक लक्षणों का तुलनात्मक अध्ययन – **शैलेश कुमार यादव**. 3, 2018, पृ० 142–150.

प्राचीन भारत में लौहयुगः उत्तरप्रदेश के सद्यः उत्खनित साक्ष्यों के विशेष संदर्भ में – **राजीव कुमार जायसवाल**. 3, 2018, पृ० 118–127.

प्राचीन भारतीय विज्ञान के प्रमुख स्रोत के रूप में अमरकोश – **नीरज कुमार मिश्र एवं राजेश यादव**. 1, 2016, पृ० 247–253.

प्राचीन भारतीय लौह युगः प्रौद्योगिकी एवं विरासत – **विभा त्रिपाठी एवं पारुल सिंह**. 2, 2017, पृ० 1–18.

प्राचीन भारतीय परंपराओं में सामाजिक एवं सहिष्णुता एवं समन्वय (संहिता काल से सूत्रकाल तक) – **अंकित अग्रवाल**. 3, 2018, पृ० 182–190.

बनकट का पुरातात्त्विक वैशिष्ट्य – **निधि पांडेय**. 2, 2017, पृ० 295–299.

बुंदेलखंलड के लोक देवता हरदौलः एक ऐतिहासिक दृष्टि – **महेन्द्र कुमार उपाध्याय**. 2, 2017, पृ० 331–334.

बाल्मीकि नगर (पश्चिमी चंपारण जिला, बिहार) क्षेत्र की अन्वेषित विष्णु प्रतिमाएँ – **मनोज कुमार**. 3, 2018, पृ० 213–219.

बीजामंडल से प्राप्त बुद्ध प्रतिमा एवं पुरावशेष **– एस० के० द्विवेदी, लल्लेश कुमार**. 2, 2017, पृ० 335–339.

बौद्ध कला में दानपारमिता की अभिव्यक्ति – **अर्चना शर्मा**. 1, 2016, पृ० 196–204.

बौद्ध साहित्य में चित्रकलाः पुरातात्त्विक परिप्रेक्ष्य – **सचिन कुमार तिवारी**. 1, 2016, पृ० 164–168.

भरहुत स्तूप से प्राप्त वृक्ष–अंकन – **नीहारिका, अजय श्रीवास्तव**. 1, 2016, पृ० 269–272.

भारत में उच्च पुरापाषाण कालीन कला के साक्ष्य – **विनोद यादव.** 3, 2018, पृ० 235–237.

भारत में आभिलेखिक अध्ययन – **विजयकान्त यादव.** 2, 2017, पृ० 281–288.

भारत कला भवन, वाराणसी की भैरव मूर्तियाँ–एक प्रतिमा–शास्त्रीय अध्ययन – **अनिल कुमार सिंह.** 2, 2017, पृ० 289–294.

भारतवर्ष में ताम्र–स्त्रोतः एक अवलोकन – **अरुण प्रकाश पांडेय.** 2, 2017, पृ० 327–330.

भारत में नौकाघाट की परंपराः पक्कोट से प्राप्त साक्ष्य – **सीताराम दुबे एवं संतोष कुमार सिंह.** 1, पृ० 205– 211.

भारत के उच्च पुरापाषाण की कला में उत्कीर्ण चंद्रावती कोर का महत्व – **वी० एच० सोनावणे.** 2, 2017, पृ० 139–144.

भारत लक्ष्मी, रजत तस्तरी का पुरातात्त्विक एवं साहित्यिक विवेचन – **धर्मवीर शर्मा एवं राहुल शर्मा.** 3, 2018, पृ० 228–231.

भारतीय उप–महाद्वीप में लोहे की प्राचीनता – **राकेश तिवारी.** 2, 2017, पृ० 91–120.

भारतीय प्रायद्वीप के डेक्कन–पठार क्षेत्र के निम्न–पुरापाषणकालीन (एश्युलियन) स्थलों का पुनरावलोकन एवं नवीन अन्वेषण – **सुषमा देव, जयेन्द्र जोगलेकर, सुमन पांडेय एवं निहारिका श्रीवास्तव.** 3, 2018, पृ० 27–41.

भारतीय परंपरा में शिव एवं उनके आयुधः एक पुरातात्त्विक विश्लेषण – **संजीव कुमार सिंह एवं रूमी गुप्ता.** 3, 2018, पृ० 151–161.

मछलीशहर तहसील जौनपुर जनपद के प्रमुख सर्वेक्षित पुरास्थल – **कन्हैया लाल यादव एवं प्रवीन मिश्र.** 2, 2017, पृ० 312–318.

मध्य गांगेय मैदान की ताम्रपाषाण युगीन संस्कृति–एक विश्लेषण – **आभा पाल.** 1, 2016, पृ० 99–105.

मध्य गांगेय मैदान की मध्यपाषाणिक संस्कृति में अस्थि–उपकरणों का महत्व – **आभा पाल.** 2, 2017, पृ० 164–169.

मध्य पाषाणिक मानव के भरण–पोषण के आधारभूत तत्त्व – **संजय कुमार कुशवाहा.** 1, 2016, पृ० 7–12.

मध्य भारत में प्राचीन सभ्यता का उद्‌भव एवं विकास – **वसंत शिंदे.** 1, 2016, पृ० 70–85.

मध्य सोन घाटी के लघुपाषाणिक उद्योगों का तकनीकी एवं प्रारूपकीय अध्ययन – **विवेक शुक्ल.** 1, 2016, पृ० 13–19.

मयूरभंज से प्राप्त निम्न पुरापाषाणकालीन संस्कृति के अवशेष – **मनोज कुमार सिंह**. 2, 2017, पृ० 19–34.

महर्षि व्यासः पुराण एवं महाभारत – **अनुराग शुक्ल.** 1, 2016, पृ० 124–129.

महाभारत की कहानी, विज्ञान की जुबानी – **सरोज बाला**. 2, 2017, पृ० 242–250.

मध्य–गांगेय मैदान में अनु–पुरापाषाण कालीन प्रस्तर–अवशेष – **उदिता यादव**. 2, 2017, पृ० 256–263.

मध्य प्रदेश से प्राप्त वाकाटक ताम्रपत्रों की लिपिगत विशेषताएँ – **विनिता चंदानी**. 3, 2018, पृ० 162–172.

मिर्जापुर जनपद का पुरातात्त्विक सर्वेक्षण (चुनार तहसील) – **प्रभाकर उपाध्याय एवं मुकेश कुमार**. 2, 2017, पृ० 192–214.

मुद्रा एवं अभिलेखिक साक्ष्यों के प्रकाश में गुप्त शासकों की धार्मिक सहिष्णुता – **अरविन्द कुमार.** 1, 2016, पृ० 169–176.

मानसून क्षेत्र में स्थित गंगा, दक्षिण–पूर्व एशिया एवं चीन में नगरीकरण – **के० एन० दीक्षित**. 3, 2018, पृ० 91–106.

माहिष्मती परिक्षेत्र के बौद्ध पुरावशेष – **शशि वर्मा**. 2, 2017, पृ० 340–342.

मृदभांडीय परंपरा का उद्‌भव एवं विकास (मध्यपाषाणिक संस्कृति के विशेष संदर्भ में) – **संजय कुमार कुशवाहा**. 2, 2017, पृ० 177–183.

यूरोपीय मानचित्रण में भारत का प्रतिनिधित्व – **रवीन्द्र कुमार एवं दीपक कुमार.** 1, 2016, पृ० 254–259.

रावणानुग्रह मूर्तियों के कलात्मक अंकन का विकास – **मनीष राय एवं प्रदीप कुमार पांडेय**. 2, 2017, पृ० 222–227.

लहुरादेवा में प्राचीन कृषि व्यवस्था – **राकेश तिवारी.** 1, 2016, पृ० 20–29.

लोहारी राघो–II (हिसार, हरियाणा) का पुरातात्त्विक विश्लेषण – **रवीन्द्र नाथ सिंह, कैमेरान पेट्री, धीरेन्द्र प्रताप सिंह एवं सुदर्शन चक्रधारी**. 2, 2017, पृ० 158–163.

वडनगर उत्खनन (2005–11), मेहसाणा जिला, गुजरात – **यदुबीर सिंह रावत.** 1, 2016, पृ० 141–154.

वचन साहित्य का दर्पणः आत्मानुभूत सत्य के हीरक कण – **शिवानी जॉर्ज.** 1, 2016, पृ० 273–275.

वाकाटक अर्थव्यवस्थाः एक अभिलेखीय अध्ययन – **रश्मि सिंह**. 2, 2017, पृ० 319–326.

वाराणसी जनपद के नवसर्वेक्षित पुरास्थल – **अशोक कुमार सिंह एवं रवि शंकर.** 1, 2016, पृ० 93–98.

वारूणेय क्षेत्र में कुषाण अधिवास की प्रक्रिया – **सुरेन्द्र कुमार यादव.** 1, 2016, पृ० 182–195.

विंध्य–गांगेय क्षेत्र के उत्खनित पुरास्थलों से प्राप्त कृष्ण लेपित मृद्‌भांड परंपराः विश्लेषणात्मक अध्ययन – **प्रभाकर उपाध्याय एवं पारुल सिंह.** 1, 2016, पृ० 106–113.

विंध्य–गांगेय क्षेत्र के पाषाण उपकरणों के स्वरूप में परिवर्तनः मध्य–पाषाण काल से लौह काल तक – **प्रभाकर उपाध्याय एवं कृष्ण मोहन दुबे**. 3, 2018, पृ० 173–181.

श्रमण परंपरा के सामाजिक आदर्श का यथार्थपरक अनुशीलन – **शिवबहादुर सिंह**. 2, 2017, पृ० 215–221.

समुद्र–तल में उतार–चढ़ाव का मानव सभ्यता पर प्रभाव **–एस० एम० सालीम, राजीव निगम, थेजसिनो एस० एवं राजीव सारस्वत**. 2, 2017, पृ० 274–280.

सरस्वती नदी के तीर्थों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि – **रत्नेश कुमार त्रिपाठी.** 1, 2016, पृ० 130–140.

सरस्वती घाटी में प्रथम नगरीय सभ्यता का पुरातात्त्विक अवलोकन – **नरेन्द्र परमार.** 1, 2016, पृ० 86–92.

सरस्वती घाटी में भारतीय सभ्यता का उदय – **कैलाश नाथ दीक्षित.** 1, 2016, पृ० 30–60.

सरूपपुर (प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश) स्थित प्राचीन मंदिर के अवशेषः एक रिपोर्ट – **विमल तिवारी.** 1, 2016, पृ० 263–265.

सूक्ष्म–क्षति अध्ययन में प्राकृतिक घटकों की भूमिकाः एक अध्ययन – **अमित सिंह**. 3, 2018, पृ० 206–212.

सोन एवं बेलन घाटी में उच्च पुरापाषाणिक अधिवास प्रक्रिया और पुरापर्यावरण – **विनोद यादव**. 2, 2017, पृ० 300–305.

सोनभद्र में शैलचित्र कला – **डी० पी० तिवारी.** 1, 2016, पृ० 1–6.

हड़प्पा सभ्यता – **वसंत शिंदे**. 2, 2017, पृ० 35–75.

1857 की महान क्रांति तथा इसका अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव – **सतीश चन्द्र मित्तल**. 3, 2018, पृ० 1–17.